घास में गेरा

जंगल में बहुत दूर जहाँ अनेक पशु पक्षी पाए जाते थे वहाँ एक युवा शिकारी रहता था. उसका नाम था वउपी, जिसका अर्थ होता है सफेद बाज़. वह एक लम्बा, तगड़ा, साहसिक युवक था, उसकी आँखें ऊर्जा से चमकती थीं और बड़ी निर्भीकता से वह अँधेरे जंगल में भी चला जाता था. वह हर पशु-पक्षी के पद-चिन्हों को पहचान सकता था. हर दिन किसी न किसी पशु-पक्षी का शिकार करके वह घर लाता था क्योंकि अपने कबीले का वह सबसे कुशल और प्रसिद्ध शिकारी था.

एक दिन, घर से जितनी दूर वह कभी शिकार करने न गया था, वहाँ शिकार करने के बाद वह ऐसे जंगल में पहुँच गया जहाँ दूर-दूर तक स्पष्ट दिखाई दे रहा था. शीघ्र ही पेड़ों के बीच उसे रोशनी दिखाई दी. जल्दी वह एक मैदान के किनारे पहुंच गया जहाँ घास लगी थी और फूल खिले थे.

वहाँ कोई रास्ता दिखाई न दे रहा था. वह घास में आगे चलता रहा. अचानक घास में उसे एक बड़ा सा गेरा दिखाई दिया, जो शायद एक गोल दायरे में चलते हुए लोगों के पदचिह्नों से बना था.

लेकिन उस गेरे तक पहुँचने के लिए कोई रास्ता उसे दिखाई न दिया और न ही कोई पद-चिन्ह उधर आते दिखाई दिए. कोई टूटी हुई टहनी या कुचला हुआ पत्ता भी दिखाई न दिया.

उस अनोखे गेरे का रहस्य जानने को उत्सुक, वह निकट ही ऊंची घास में छिप कर प्रतीक्षा करने लगा. कुछ समय बाद आकाश में संगीत की मध्यम ध्वनी सुनाई दी. उसने ऊपर देखा. आकाश में नीचे आता कुछ दिखाई दिया. शुरू में वह एक छोटे कण समान था, जो तेज़ी से बड़ा होता गया. शीघ्र ही उसे एक विशाल टोकरी दिखाई दी जिस के अंदर बारह बहनें थीं जो बहुत ही सुंदर थीं.

जैसे-जैसे वह निकट आईं, संगीत मधुर और स्पष्ट होता गया. जब टोकरी धरती पर आ गई तो सारी बहनें कूद कर बाहर आ गईं और उस गेरे के ऊपर नाचने लगीं.वह गोल-गोल घूमती रहीं. नाचते-नाचते, गेरे के बीच में रखे एक चमकीले गेंद को वह छड़ियों से मारने लगीं. वह गेंद को ऐसे मार रहीं थीं कि जैसे कि वह एक ढोल था.

अपने छिपने की जगह से वउपी उनका नृत्य देख रहा था. उन बहनों से वह बहुत प्रभावित हुआ.
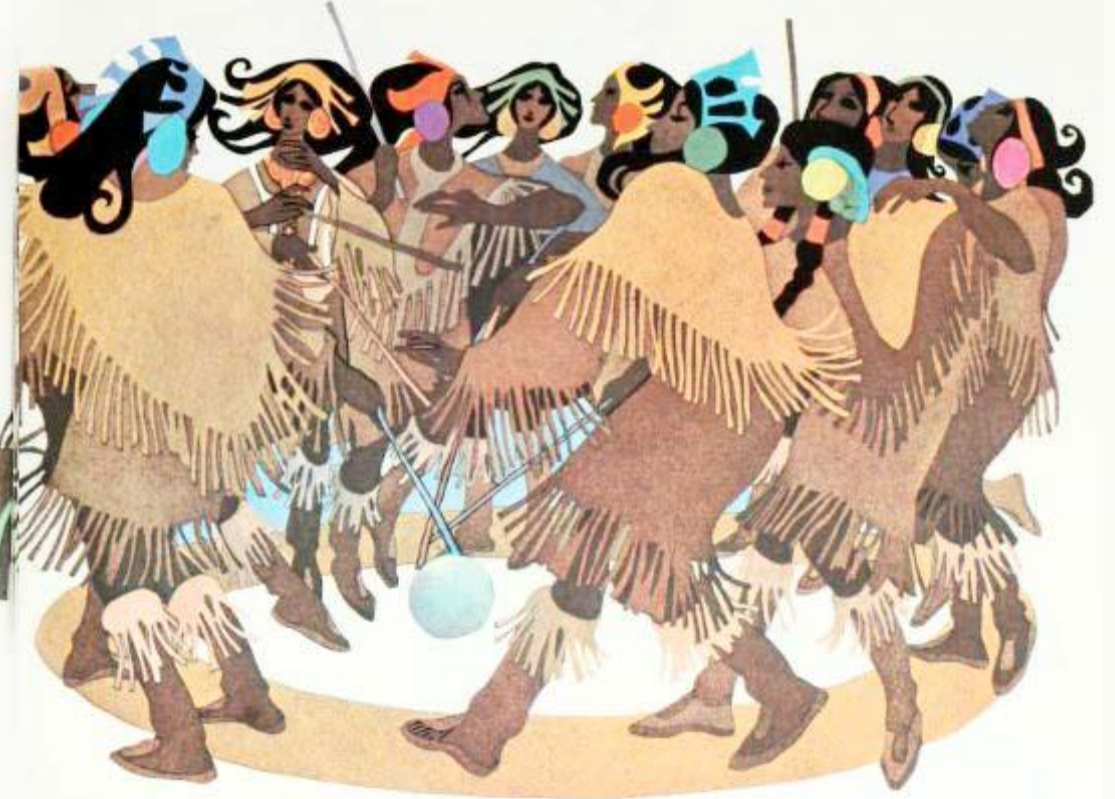
पर सबसे छोटी बहन से वह विशेष रूप से सम्मोहित हुआ. आखिरकार जब वह अपने को रोक न पाया तो वह बहनों की ओर दौड़ा और सबसे छोटी को पकड़ने का उसने प्रयास किया. लेकिन पक्षियों की फुर्ती से लड़कियाँ कूद कर टोकरी में बैठ गईं और ऊपर आकाश में चली गईं.

“वह चली गईं,” उसने सोचा, “और मैं उन्हें कभी न देख पाऊंगा.” वह घर लौट आया पर उसका मन बिलकुलअशांत था.

अगले दिन सुबह-सुबह वह गेरे के पास लौट आया. गेरे से थोड़ी दूर एक पुराना ठूँठ उसे दिखाई दिया जिस के अंदर चूहे थे. यह सोच कर कि इन नन्हें जीवों को देख कर बहनें भयभीत न होंगी, वह ठूँठ को उठा कर गेरे के पास ले आया.

उसने अपना रूप बदल लिया और एक चूहा बन गया.शीघ्र ही बहनें फिर नीचे आईं और नाचने लगीं.

“देखो!” सबसे छोटी बहन ने कहा,

“यह ठूँठ पहले यहाँ नहीं था.” डर कर वह टोकरी की ओर दौड़ी. लेकिन अन्य बहनें हँस पड़ीं और ठूँठ के आसपास खड़ी हो गईं और छड़ियों से उस पर प्रहार करने लगीं. उनके ऐसा करने पर वउपी समेत सारे चूहे ठूँठ से बाहर निकल आये. कुछ ही पलों में बहनों ने सारे चूहे मार डाले- एक को छोड़ कर, जिसके पीछे सबसे छोटी बहन भाग रही थी. जैसे ही उसने उस चूहे को मारने के लिए छड़ी उठाई, अचानक वउपी उसके सामने प्रकट हो गया और उसे अपनी बाँहों में भर लिया. बाकी ग्यारह बहनें उछल कर टोकरी में बैठ गईं और ऊपर आकाश में चली गईं.

अपनी पत्नी को मोहित करने के लिए और उसका प्यार पाने के लिए वउपी ने भरसक प्रयास किया. उसने उसकी आँखों के आंसू पोंछे. अपने शिकार की साहसिक कहानियाँ उसे सुनाईं. धरती पर जीवन की खुशियों के बारे में उसे बताया.

उसका ध्यान रखने के लिए उसने अथक परिश्रम किया. अपने घर की ओर जाना वाला रास्ता प्यार से उसे दिखाया.जैसे ही वह उसके घर के अंदर आई, उसके प्रसन्नता की सीमा न रही. उस पल से वह संसार का सबसे सुखी मनुष्य था.

शीत ऋतु और ग्रीष्म ऋतु शीघ्र ही बीत गईं. एक सुंदर पुत्र के जन्म ने उनकी प्रसन्नता और भी बड़ा दी. लेकिन वउपी की पत्नी एक तारे की बेटी थी. धीरे-धीरे धरती के जीवन का आकर्षण कम होने लगा और अपने पिता का पास लौटने को उसका मन करने लगा.जिस मन्त्र की सहायता से वह आकाश में जा सकती थी वह उसे भूली न थी. जब वउपी शिकार करने के लिए घर से बाहर जाता तब वह चुपके से सूखी टहनियों से एक टोकरी बनाती. लेकिन जब वउपी घर में होता तो वह उस टोकरी को छिपा कर रख देती. इस बीच वह उन अद्भुत चीजों को इकट्ठा करने लगी जो उसे लगा कि उसके पिता को अच्छी लगेंगी. खाने की स्वादिष्ट चीज़ें भी उसने जमा कर लीं.
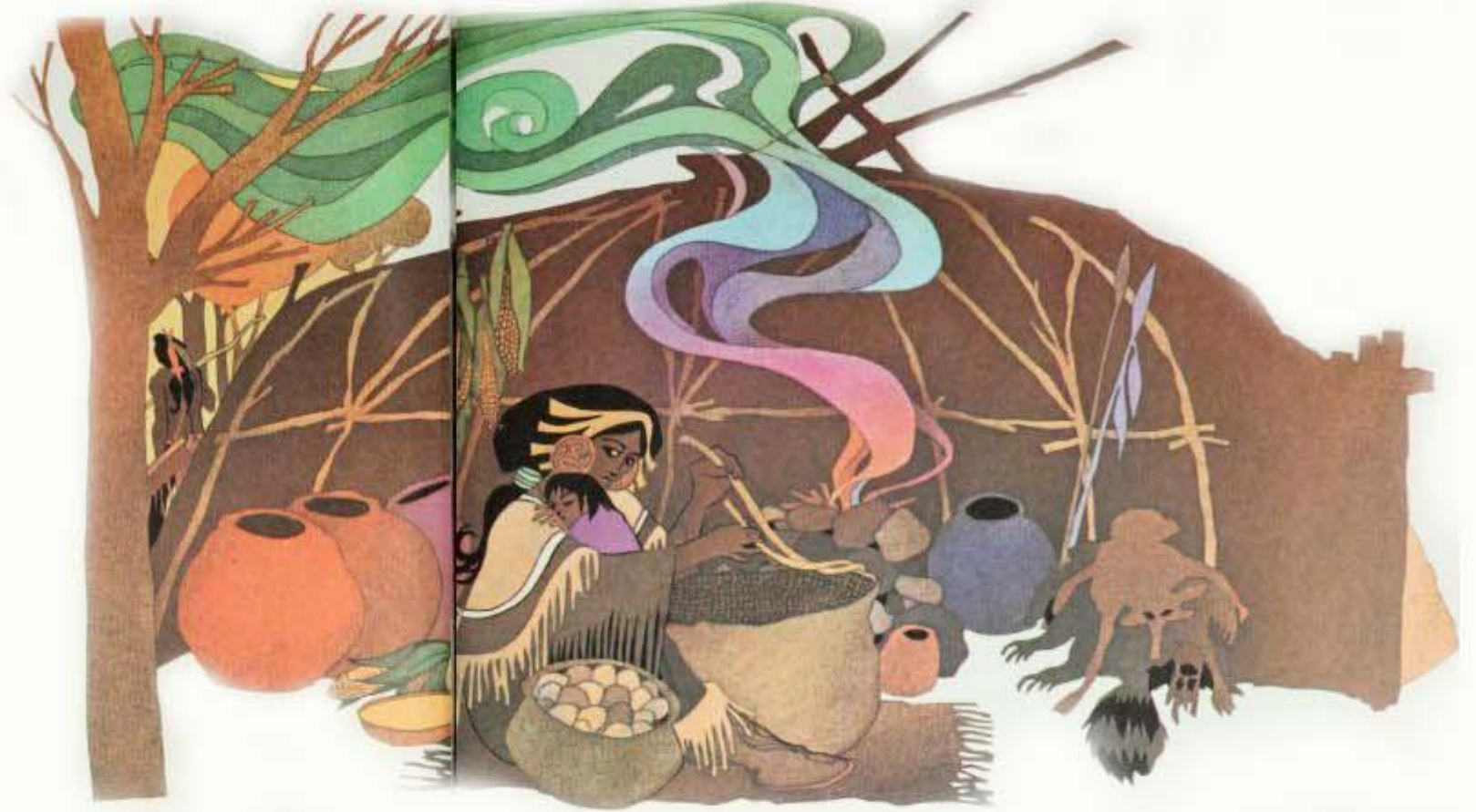
एक दिन जब उसकी तैयारी पूरी हो गई, अपने बेटे को साथ लेकर वह गेरे के पास आ गई. दोनों टोकरी में बैठ गये और उसने अपना गीत गाना शुरू किया. हवा उस संगीत को दूर उसके पति के पास ले गई. वह उस आवाज़ को पहचानता था. वह उसी पल घास के मैदान की ओर दौड़ पडा. लेकिन वहाँ पहुँचते ही उसने अपनी पत्नी और बेटे को टोकरी में बैठे हुए ऊपर आकाश में जाते देखा. उसने उन्हें पुकारा, पर कोई लाभ न हुआ. टोकरी ऊपर चलती गई.वह उसे तब तक देखता रहा जब तक की वह एक छोटे से कण के समान नहीं हो गई और फिर आकाश में गायब हो गई. वह सिर झुका कर बैठ गया, वह बहुत दुःखी था.

पत्नी और बेटे को खो कर वउपी विलाप करता रहता था और इसी तरह उसने शीत ऋतु और ग्रीष्म ऋतु का लम्बा काल दुःख में बिताया. वह अपनी पत्नी के लिए दुःखी था, पर उससे भी अधिक दुःख अपने बेटे के खोने का था. इस बीच उसकी पत्नी तारों में अपने घर पहुंच गई थी और वहाँ के प्रसन्नता भरे जीवन में भूल ही गई कि वह अपने पति को धरती पर छोड़ आई थी. सिर्फ अपने बेटे को देख कर कभी-कभी उसे पति की याद आती थी. बड़े होने के साथ बेटा अपने घर जाने के लिए उतावला हो गया था.

एक दिन तारे ने अपनी बेटी से कहा, “जाओ, मेरी बच्ची, अपने बेटे को उसके पिता के पास ले जाओ. अपने पति से कहो कि वह यहाँ आकर हमारे साथ रहे. उससे कहना कि जिन पशु-पक्षियों का वह शिकार करता है उनका कोई एक भाग अपने साथ लेता आये.

लड़के को साथ लेकर तारे के बेटी एक बार फिर धरती पर आ गई. जब वह आकाश से नीचे आ रही थी तब वउपी ने, जो गेरे से अधिक दूर कभी न जाता था, उसकी आवाज़ सुनी.अपनी पत्नी और अपने बेटे को देख कर उसका दिल ज़ोर-ज़ोर से धड़कने लगा.तुरंत ही उसने उन्हें अपनी बाँहों में भर लिया.

उसकी पत्नी ने उसे अपने पिता की बात बताई. वउपी बड़ी उत्सुकता से साथ ले जाने के लिए सब चीज़ें इकट्ठी करने लगा. वह सारा दिन और सारी रात सुंदर और अनोखे पशु-पक्षियों की खोज में लगा रहता. उसने उन पशु-पक्षियों की पूँछें या पंख या पंजे संभाल कर रख लिये. जब पूरी तैयारी हो गई तो सारा परिवार गेरे के पास आ गया और टोकरी में बैठ कर आकाश में चला गया.

उनके आने पर सब तारे बहुत प्रसन्न हुए. तारों के मुखिया ने सब को दावत पर बुलाया. जब सब आ गये तो उसने कहा कि धरती से लाये उपहारों में से जिसे जो भी पसंद हो वो वह ले सकता था.

अजीब अफरातफरी मच गई. किसी ने पाँव चुना, किसी ने पंख, किसी ने पूंछ और किसी ने पंजा. जिन्होंने पूंछ और पंजें चुने वह पशु बन गये और वहां से भाग गये. अन्य पक्षी बन गये और वहां से उड़ कर चले गये. वउपी ने सफेद बाज़ का पंख चुना. उसकी पत्नी और बेटे ने भी वही चुना. और हर एक सफेद बाज़ बन गया. वउपी ने अपने पंख फैलाये और अन्य पक्षियों के साथ धरती पर आ गया. उसकी पत्नी और भी बेटा उसके पीछे-पीछे आ गये. अभी भी वह तीनों धरती पर दिखाई देते हैं.

समाप्त